मम जीवनं संस्कृतं। MAM JIVANAM SANSKRITAM । भूपेन्द्र लोधी । Mo. No.8120903065 । Bhoopendra Lodhi । जिला-पन्ना,मध्यप्रदेश ।

मम जीवनं संस्कृतं। MAM JIVANAM SANSKRITAM । भूपेन्द्र लोधी । Mo. No.8120903065 । Bhoopendra Lodhi । जिला-पन्ना,मध्यप्रदेश ।

●गुप्तकालीन एवं गुप्तोत्तरकालीन अभिलेख:-

★ समुद्रगुप्त का इलाहाबाद लेख-

स्थान - इलाहाबाद (प्रयागराज) ,उत्तरप्रदेश [यह मूलरूप से कौशाम्बी में था जहाँ से इलाहाबाद किले में लाया गया]।

भाषा – संस्कृत।

लिपि – ब्राह्मी।

काल – समुद्रगुप्त (लगभग ३३५-७६ई.)।

विषय – समुद्रगुप्त के जीवनचरित एवं उपलब्धियों का वर्णन।

अपरनाम – समुद्रगुप्त की प्रशस्ति,प्रयागप्रशस्ति

रचनाकार – हरिषेण (प्रयागप्रशस्ति के)।

राजतन्त्र – समतट,डवाक, कामरुप, कर्तृपुर एवं नेपाल। (प्रयाग.२२वीं पं.)

गणतन्त्र – खरपरिक,प्रार्जुन, मालव, यौधेय,अर्जुनायन, काक, सनकानिक,अभीर एवं मद्रक (प्रयाग.२२वीं पं.)

सिक्के – १.ध्वजधारी या दण्डधारी या गरुड प्रकार के २.धर्नुधारी ३.परशुधारी ४.अश्वमेध ५ व्याघ्रनिहन्ता ६.वीणावादन प्रकार इत्यादि।

◆य: कुल्यै: स्वै: ……..तस:…….।

◆भारतदिग्विजय।

◆रानी का अभिलेख कहा गया।

★ यशोधर्मन का मन्दसौर शिलालेख –

स्थान – मन्दसौर,मध्यप्रदेश।

लिपि – ब्राह्मी।

राजा वंश – औलिकर।

प्रकाशन – पीटर पेटर्सन (१८८५)।

काल – यशोधर्मन ५३२ ई.।

खोजकर्ता – फ्लीट के एक लिपिक ।
वासुलकृत(वत्सभट्टी) – मन्दसौर प्रशस्ति ।
भाषा – संस्कृत
विषय वर्णन – यशोधर्मन ने मिहिरकुल को झुकाया ,सूर्य मन्दिर का जीर्णोद्धार, पट्टवाय श्रेणी ।
राज्य – मालवा ।
यशोधर्मन –" जनेन्द्र" (मन्दसौर प्रशस्ति) ।
• मन्दसौर से दो अभिलेख प्राप्त हैं ।

★ हर्ष का बाँसखेड़ा ताम्रपट्ट लेख-

स्थान – बाँसखेड़ा,जिला-शाहजहांपुर, उत्तरप्रदेश ।
भाषा – संस्कृत ।
लिपि – उत्तर ब्राह्मी ।
काल – लगभग ६२८ ई. ।
विषय – हर्षवर्धन के पूर्वजों तथा उसकी उपलब्धियों का वर्णन ,मौखरी राजाओं की वंशावली।
उपाधि – पृथ्वी,वल्लभ,सत्याश्रय ।

★ पुलकेशिन द्वितीय का ऐहोल शिलालेख-

स्थान – ऐहोल,जिला-बीजापुर बादामी,कर्नाटक ।
भाषा – संस्कृत ।
लिपि – दक्षिणी ब्राह्मी ।
काल – वि.सं. ५६६ (ईस्वी ४९९)
विषय - पुलकेशिन द्वितीय तक चालुक्य शासकों का वर्णन,पुलकेशिन द्वितीय की कीर्ति का उल्लेख ,कदंब वंश का उल्लेख ।

◆"पुलकेशिन द्वितीय की राजप्रशस्ति", "रविकीर्ति", "कविताश्रितकालिदासभारविकीर्ति"
◆पुलकेशिन द्वितीय को ह्वेनसांग ने कहा है – **बुलेकिशे** ।

मम जीवनं संस्कृतं। MAM JIVANAM SANSKRITAM । भूपेन्द्र लोधी । Mo. No.8120903065 । Bhoopendra Lodhi । जिला-पन्ना,मध्यप्रदेश।

●मौर्योत्तरकालीन अभिलेख:-

★ रुद्रदामन का गिरनार शिलालेख -

स्थान – जूनागढ़,गुजरात।

भाषा – संस्कृत।

लिपि – ब्राह्मी।

काल – रुद्रदामन के राजत्वकालान्तर्गत ७२वां वर्ष।

विषय – रुद्रदामन के प्रान्तीय शासक सुविशाख द्वारा सुदर्शन बांध का पुर्ननिर्माण,बांध का पूर्व इतिहास एवं रुद्रदामन की राजनैतिक उपलब्धियाँ का विवरण।

● यह अभिलेख काठियावाड़ के जूनागढ़ जिले में गिरनार पर्वत के कण्ठ प्रदेश में घाटी की ओर जाने वाले भाग में शुद्ध संस्कृत भाषा मे उत्कीर्ण है।

● इस अभिलेख का नायक रुद्रदामन है जिसकी उपाधि **"महाक्षत्रप"** है इस अभिलेख से रुद्रदामन के वंश,कृतित्व व्यक्तित्व और सुदर्शन झील के इतिहास पर प्रकाश पड़ता है।

● रुद्रदामन के दादा का नाम – **चष्टन।**

● रुद्रदामन के पिता – **क्षत्रप जायदामन।**

● सुदर्शन झील निर्माता – **पुष्यगुप्त,** सुदर्शन झील का पुनर्निमाता – **चक्रपालित।**

● गिरनार के तड़ाग से संबंधित है – **कनिष्क** कुषाण वंशी का।

★ कनिष्क प्रथम का सारनाथ बौद्ध प्रतिमाभिलेख-

स्थान – सारनाथ,जिला – वाराणसी,उत्तरप्रदेश।

भाषा – प्राकृत,संस्कृत से प्रभावित।

लिपि – ब्राह्मी।

काल – प्रथम शताब्दी ई. उत्तरार्द्ध सं.३८१ई.।

विषय – भिक्षु बल द्वारा विभिन्न लोगों के छत्र और यष्टि की स्थापना ,हित और सुख के लिए।

मम जीवनं संस्कृतं। MAM JIVANAM SANSKRITAM । भूपेन्द्र लोधी । Mo. No.8120903065 । Bhoopendra Lodhi । जिला-पन्ना,मध्यप्रदेश।

मम जीवनं संस्कृतं। MAM JIVANAM SANSKRITAM । भूपेन्द्र लोधी । Mo. No.8120903065 । Bhoopendra Lodhi । जिला-पन्ना,मध्यप्रदेश।

★ खारवेल का हाथीगुम्फा अभिलेख -

स्थान – हाथीगुम्फा,भुवनेश्वर के निकट उदयगिरि पहाड़ी।

जिला – पुरी,उड़ीसा।

लिपि – ब्राह्मी।

काल – लगभग प्रथम शती ई.पू. का उत्तरार्द्ध।

विषय – चेदिवंशी राजा कलिंगाधिपति खारवेल के जीवन की घटनाओं का क्रमिक विवरण एवं उसकी राजनैतिक उपलब्धियों तथा लोकमंगल के कार्यों का उल्लेख।

मूलपाठ – नमो अरहंतानं। नमो सव-सिधानं ॥ ऐरेण महाराजेन महामेधवाहनेन चेति राज व सवधनेन पसथ-सुभ-लखनेन चतुरंत लुठण गुण उपितेन कलिंगाधिपतिना सिरि-खारवेलेन।

●अशोक के अभिलेख:-

★प्रमुख शिलालेख -

क्रमांक	शिलालेख	स्थान	जिला	भाषा	लिपि	काल	मूलविषय
१.	प्रथम	गिरनार	जूनागढ़ (गुजरात)	प्राकृत (पालि)	ब्राह्मी	२७०-२३२ई.पू.	हिंसा विरोध, अहिंसा पालन
२.	द्वितीय	-------	--------	-------	------	---------	राज्य का विस्तार और जनकल्याण

३.	तृतीय	-------	-------	-------	------	२५७ई.पू.	धर्म का प्रचार, अहिंसा,दान, समाजसेवा, मितव्ययिता
४.	चतुर्थ	-------	--------	-------	------	-------	धर्मोपदेश, अहिंसा, जनकल्याण
५.	पञ्चम	मानसेहरा	पंजाब	-------	खरोष्ठी	-------	धर्मोपदेश, अहिंसा, जनकल्याण **"कल्याणं दुष्करं'**
६.	षष्ठम	गिरनार	जूनागढ़ (गुजरात)	-------	ब्राह्मी	२७०-२३२ई.पू.	राज्य के प्रति कर्तव्य
७.	सप्तम	शाहबाज गढ़ी, सहवाज गढ़ी	पाकिस्तान	-------	खरोष्ठी	-------	सामाजिक और धार्मिक समरसता
८.	अष्टम	--------	पेशावर पाकिस्तान			२६०ई.पू.	धर्मनिष्ठ सामाजिकता

मम जीवनं संस्कृतं। MAM JIVANAM SANSKRITAM । भूपेन्द्र लोधी । Mo. No.8120903065 । Bhoopendra Lodhi । जिला-पन्ना,मध्यप्रदेश ।

मम जीवनं संस्कृतं। MAM JIVANAM SANSKRITAM । भूपेन्द्र लोधी । Mo. No.8120903065 । Bhoopendra Lodhi । जिला-पन्ना,मध्यप्रदेश ।

९.	नवम	गिरनार	जूनागढ़ (गुजरात)	-------	ब्राह्मी	------	धर्ममंगल, धर्मदान
१०.	दशम	------	-------	-------	--------	--------	धर्माचरण
११.	एकादश	शाहबाजगढ़ी सहवाजगढ़ी	पाकिस्तान	-------	खरोष्ठी	-------	धर्म दान और उसकी व्याख्या
१२.	द्वादश	गिरनार	जूनागढ़ (गुजरात)	-------	ब्राह्मी	------	धार्मिक समरसता
१३.	त्रयोदश	शाहबाजगढ़ी	पाकिस्तान	-------	खरोष्ठी, (ब्राह्मी)	२६२ई.पू.	धार्मिक समरसता कलिंग के युद्ध का परिणाम

१४.	चतुर्दश	गिरनार	जूनागढ़ (गुजरात)	------	ब्राह्मी	२७०-२३२ई.पू.	धर्म के प्रति लेखन प्रयोजन

★ प्रमुख स्तम्भलेख-

प्रथम स्तम्भलेख-

स्थान – दिल्ली ।

भाषा – प्राकृत (पालि) ।

लिपि – ब्राह्मी ।

काल – २४४ ई.पू. ।

विषय – धर्म शिक्षा तथा महिमा ।

द्वितीय स्तम्भलेख-

स्थान – दिल्ली ।

भाषा – प्राकृत (पालि) ।

लिपि – ब्राह्मी ।

काल – २४४ ई.पू. ।

विषय – धर्म तत्त्वों की विवेचना ।

"चक्षुर्दानमपि मया बहुविधं दत्तम्"

तृतीय स्तम्भलेख-

स्थान – दिल्ली ।

भाषा – प्राकृत ।

लिपि – ब्राह्मी ।

काल – २४४ ई.पू. ।

विषय – सम्यक् दृष्टि और आत्मावलोकन ।

"कल्याणमेव पश्यति,इदं मया कल्याणं कृतम्"

चतुर्थ स्तम्भलेख-

स्थान – दिल्ली ।
भाषा – प्राकृत ।
लिपि – ब्राह्मी ।
काल – २४४ ई.पू. ।
विषय – उच्चाधिकारि और कर्मचारियों के अधिकार और कर्त्तव्य ।
"विदिता धात्री चेष्टते में प्रजां सुखं पालयितुम्"

पञ्चम स्तम्भलेख-
स्थान – दिल्ली ।
भाषा – प्राकृत ।
लिपि – ब्राह्मी ।
काल – २४४ ई.पू. ।
विषय – अहिंसा और जीव रक्षा ।
"इयं धर्मलिपि: यत्र सन्ति शिलास्तम्भा: तत्र कर्त्तव्या येन एषा चिरंस्थतिका स्यात्"

षष्टम स्तम्भलेख-
स्थान – दिल्ली ।
भाषा – प्राकृत ।
लिपि – ब्राह्मी ।
काल – २४४ ई.पू. ।
विषय – लोकहित ।

सप्तम स्तम्भलेख-
स्थान – दिल्ली ।
भाषा – प्राकृत ।
लिपि – ब्राह्मी ।
काल – २४३ ई.पू. ।
विषय – धर्मवृद्धि, धर्माचरण और लोक कल्याण ।

★ अशोक का कान्धार द्विभाषी शिलालेख –

स्थान – कांधार (अफगानिस्तान) ।
भाषा – ग्रीक,आरमाइक ।
लिपि – ग्रीक ।
काल – २६०ई.पू. ।
विषय – अहिंसा ।

★ अशोक का मस्की शिलालेख –

स्थान – मस्की (रायचूर,कर्नाटक) ।
भाषा – प्राकृत (अशोक नाम उल्लेख) ।
लिपि – ब्राह्मी ।
काल – ई.पू. ।
विषय – धर्म उपदेश ।

★ अशोक का रुम्मिनदेई स्तम्भलेख –

स्थान – रुम्मिनदेई मन्दिर (पहरिया,नेपाल) ।
भाषा – प्राकृत ।
लिपि – ब्राह्मी ।
काल – २५० ई.पू. ।
विषय – बौद्ध धर्म उन्मुखता,लुम्बिनी कर मुक्ति ।

◆अशोक ने राज्यारोहण के २०वर्ष बाद यहाँ जाकर पूजा-पाठ किया क्योंकि यहाँ महात्मा बुद्ध का जन्म हुआ ।

★ अशोक का गुर्जरा लघुशिलालेख –

स्थान – गुर्जरा, दतिया,मध्यप्रदेश ।
भाषा – प्राकृत ।
लिपि – ब्राह्मी ।
विषय – धर्म उपदेश ।

◆अशोक द्वारा सिंहासनरोहण के आठवें वर्ष कलिंग विजय किया गया ।

लंका का प्राचीन नाम-ताम्रवर्णी था ।

मम जीवनं संस्कृतं। MAM JIVANAM SANSKRITAM । भूपेन्द्र लोधी । Mo. No.8120903065 । Bhoopendra Lodhi । जिला-पन्ना,मध्यप्रदेश ।

मम जीवनं संस्कृतं। MAM JIVANAM SANSKRITAM । भूपेन्द्र लोधी । Mo. No.8120903065 । Bhoopendra Lodhi । जिला-पन्ना,मध्यप्रदेश ।

मम जीवनं संस्कृतं। MAM JIVANAM SANSKRITAM । भूपेन्द्र लोधी । Mo. No.8120903065 । Bhoopendra Lodhi । जिला-पन्ना,मध्यप्रदेश ।